जबसे देखी ये सूरत प्यारी

तर्ज - ओ फिरकी वाली ....

हो .. जबसे देखी , ये प्यारी सी मूरत
है बड़ी खूबसूरत , माँ मरूदेवा के लाल की ।
मेरे ऋषभ जिणन्द दयाल की ।।
हो ..मनोहारी , ये लागे बड़ी प्यारी
में जाँऊ बलिहारी , ये मूरत है कमाल की ।
मेरे ऋषभ जिणन्द दयाल की ।।
हो ..जबसे देखी ...
।।।।
हो.. सूरज की किरणें आकर के जिनके , मुख पे
करती उजियारा ।
चमक रहा दिव्य तेज ललाट पे , नैनो से बहे
अमिरस धारा ।
शीश मुकुट है -2 कानो में कुंडल
गल मोतियन की माला
डायमंड वाली , ये अंगिया निराली , नजर जिसने
डाली , वो हो गया निहाल जी
मेरे ऋषभ जिणन्द दयाल की ।।
हो ..जबसे देखी ...
।।।।
देख तुम्हारा श्रंगार हो दादा , भक्तो का मन हर्षाये
जी करता है दर्शन करके , हम तुझमे ही खो जाये
दर पे तुम्हारे - 2 आकर दादा , फिर वापस न
जाये ।
दिलबर दिनेश , की यही है तमन्ना , तेरे चरणों मे
रहना , ये अर्जी है तेरे लाल की
दादा रखना मेरा भी ख्याल जी
हो ..जबसे देखी ...
।।।।
।। गायक ।।
दिनेश जैन मुम्बई
✍ रचनाकार ✍
दिलीप सिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र .
संपर्क: 9907023365

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32984/title/Jab-say-dekhi-ye-surat-pyari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |